

#### **Event Report**

# Stakeholders Sensitisation Programme, Bhilwara July 21, 2023

#### **ProScop: An Overview**

CUTS has been involved in Developing a Culture of Sustainable Consumption and Lifestyle through Organic Production and Consumption in the State of Rajasthan ever since October 2013, which got concluded in December 2021. The work had made a deep impact and contributed to promoting organic consumption in the state.

Looking at the success and in order to further consolidate its work on the issues, CUTS in partnership with the Swedish Society for Nature Conservation (SSNC) has designed an ambitious five years project clubbing sustainable production, consumption and practices together in its intervention. The so-called project 'Developing a Culture of Sustainable Consumption and Lifestyle Through Promoting Organic Consumption and Production and Adopting Sustainable Consumption Practices by Engaging Consumers in the State of Rajasthan, India' (ProScop)' will be implemented in 12 targeted districts and all seven divisions of Rajasthan for five years.

#### **Sustainable Consumption and Production (SCP)**

SCP is about doing more and better with less. It is also about decoupling economic growth from environmental degradation, increasing resource efficiency and promoting sustainable lifestyles. We are currently consuming more resources than ever, exceeding the planet's capacity for generation. In the meantime, waste and pollution grow, and the gap between rich and poor is widening. Health, education, equity and empowerment are all adversely affected. Crucially, SCP can contribute substantially to poverty alleviation and the transition towards low-carbon and green economies. CUTS has documented SCP practices in India and studied sustainable consumption from a consumer perspective at the National level.

One step ahead, CUTS is implementing SCP intervention in the selected cities of Rajasthan by conducting research to understand the perception, practices and pattern of consumption. Also, a sustainable consumption index will be prepared for the cities. Through the intervention, local consumers and stakeholders will be sensitised towards a sustainable lifestyle. This approach will be an advocacy tool to streamline existing policies of the government and push for more dedicated efforts to support SCP from the consumer perspective.

#### **Proceedings**

**Gaurav Chaturvedi** welcomed all the participants and told them about the objective of the meeting and gives a brief introduction about the project ProScop. He told that with the support from the Swedish Society for Nature Conservation, we are implementing this project in rural and urban areas of the Bhilwara district. He also mentioned about industrial pollution in Bhilwara as it is well known for its textile business.

**Rajdeep Pareek** emphasised the need for SCP. He mentioned that SCP is the key factor for achieving sustainable development goals. There is a need to change our lifestyle for judicious use of natural resources and minimise pollution. He highlighted a recent survey where we inquired about basic habits, like carrying cloth bags to the market. Surprisingly, most respondents answered negatively. He emphasised the pressing issue of waste management in urban areas. Furthermore, he urged for the adoption of innovative solutions to tackle pollution in both urban and rural regions.

**Ravi Chandel**, Junior Engineer, Rajasthan State Pollution Control Board stated that innovative techniques are being used by industries. He mentioned that now the ash produced from the industries is 100 percent used by cement industries, thus we are recycling the ash by other industries. He said that now we are promoting the use of solar energy and rainwater harvesting techniques in all the new industrial areas. He also mentioned about the green rating scheme for industries promoted by Rajasthan State Pollution Control Board. He also informed that a close monitoring system for textile

**Pooja Morya**, Junior Engineer at the PHED Department in Bhilwara, discussed the vital importance of water availability and its use in households. She highlighted the "Har Ghar Jal" campaign, ensuring clean drinking water access for every home. Morya urged citizens to report water seepage, responding to a

query about a toll-free helpline. She stressed the scarcity of drinking water in the Bhilwara district, noting significant governmental efforts toward resolution.

**Pushpendra Bairagi** Programme Officer, Swatch Bharat mission, Bhilwara Nagar Nigam addressed waste management. He explained the practice of segregating wet and dry waste, producing city compost for local parks. Bairagi encouraged household waste segregation and elaborated on municipal corporations' waste management strategies. He also referenced the 2016 waste management rule by Rajasthan State Pollution Control Board, outlining categories for industries, cities, and hospitals.

**Gauhar Mahmood,** Centre Head CUTS, Chittorgarh gave a vote of thanks to all the participants and asked them to adopt these sustainable practices for a sustainable future.

#### **Glimpses & Media Coverage**





## कट्स संस्थान द्वारा हितधारक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

भीलवाड़ा। कट्स संस्थान द्वारा सतत उपभोग की जीवन शैली एवं संस्कृति विकस्तित करने हेतु परियोजना के तहत हितधारक संवेदीकरण हेतु परियोजना के तहत हितधारक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन होटल महाराजा, फोलवाड़ी में किया गया। कार्यक्रम में मोल चतुर्केरी, कार्यक्रम सहयागी, करूत संस्थान ने अपने व्होधन में बताया कि सतत उपभोग एवं उत्पादन के शियर में भारत में और विश्वेष रूप से ग्रजस्थान में बहुत कार्य करने की अवस्थ्यस्कता है। वर्तमान में उपभोक्ताओं के उपभोग करने के तरीकों में बहुत ब्याब्य आया है. जिसका पर्यावरण पर बरा प्रभाव पड रहा है अभाग करन क तराका म बहुत बढ़ावा जाया है, जिसका पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी इसका साथ ही नागरिकों के स्थास्थ्य पर भी इसका खरा प्रभाव पड़ खा है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कट्स विगात कई वर्षों से सतत अपोगों के क्षेत्र में कई अध्ययन और परिवोजनाओं का क्रियान्यपन कर खा है। उजस्थान ग्रन्थ में भी सतत अपोर्श संस्कृति को विकासत करने हेतुं एक परियोजना का क्रियान्यपन किया जा छ। है। ग्राज्यास्थान का क्रियान्यपन किया जा छ। है। पारयाजना का क्रियान्वयन कथा जा का है। राजदीप परिक, कार्यक्रम अधिकारी कट्स इंटरनेशनल ने बताया कि राजस्थान ऐतिहासिक इंटरनेशनल ने बताबा कि राजस्थान ऐतिहासिक रूप से पर्यावरण संरक्षण के लिए जाना जाति हैं। इसी प्रकार वर्तमान में ज्ञानोकाओं के व्यवहार में परिवर्तन करके प्रतुष्ण में कभी लाई जा सकती है। वर्तमान में शहरी निकाय शहरे में ज्यात्र होने वाले अत्यधिक कचरे के निस्तारण की समस्या से जुझ रहे हैं। छोस



कचरा, प्लास्टिक, इलेक्ट्रीनिक वेस्ट आदि सहरी निकावों के लिए समस्या बन गए हैं। रहेती के उत्पादन को बदाने के लिए हानिकास्व अना का उपयोग बढ़ छा है। अना अन्य के तोहन से शहरों का अनावस्वक पृत्रल के रोहन से शहरों का आउंड अदूरण निवंत्रण मंडल के सहायक में राज्य प्रदूषण निवंत्रण मंडल के सहायक अपियंता येच चंदल ने बताया की बार्ड डार में प्रवादरण प्रदूषण ने लेकर कई जाता की वार्वात्रण प्रदूषण कचर कहा जाता की का स्वादात्रण प्रदूषण कचर कहा जाता के का स्वादात्रण प्रदूषण कचर कहा जाता के का सार्वात्रण प्रदूषण कचर कहा जाता के का सार्वात्रण प्रदूषण कचर का व्यक्ति का का का सार्वात्रण प्रदूषण स्वाद्या कि प्रवाद भी का तार है है, साथ उत्तरि बताया कि प्रवाद भी जा रहे हैं, साथ उत्तरि बताया का ती है, जन के जाएकका अभियान वाला जाता है, जन के जाएकका अभियान वाला जाता है, जान के जाएकका अभियान का वाला जाता है, जान का वाला का

है और बारिश के पानी का उपयोग करने के तरीके बताए, साथ ही शिकायत करने के लिए 181 हेल्पलाइन की जानकारी दी, नगर परिषद पीलवाइन के सहयक अभियवंग पृणेद्र सिंह ने नन्दः अनाका नार्याण सामातः वार्यः ज्या संस्थानः रचना विकास संस्थानः आशा किरण केंद्र अध्यापिकाओं ने भाग लिया।

### कट्स संस्थान द्वारा हितधारक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

सम्ब्री विरोहें

पोलवाड़ा करार संस्थान डाव साता
उपपोप को जीवन जैली एवं संस्थाति
क्रिक्तीं कर दें हैं एवं संस्थाति
क्रिक्तीं कर से दें हमाने कर के दें क्रिक्तीं कर से दें हमाने कर के दें क्रिक्तीं कर से दें हमाने कर के दें क्रिक्तीं कर से दें हमाने कर से दें हमाने कर के क्रिक्तां कर से दें हमाने कर साता कर से क्रिक्तां कर के दें हमाने कर से दें करण क्रिक्तां अपने क्रिक्तां साता के स्वाप्त कर के करण के प्राप्त में आता कर के क्रिक्तां के स्वाप्त कर के स्वप्त कर के स्वप्त कर के से क्रिक्तां कर के स्वप्त कर कर के स्वप्त कर कर के क्रिक्तां कर स्वप्त कर कर के स्वप्त कर कर के क्रिक्तां कर स्वप्त कर कर के स्वप्त कर कर कर कर कर कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के सम्बद्धां कर के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर स्वप्त कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के सम्बद्धां कर के स्वप्त के सम्बद्धां कर के स्वप्त कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के सम्बद्धां के सम्बद्धां कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के सम्बद्धां के सम्बद्धां के स्वप्त के स्वप्त कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के सम्बद्धां के स्वप्त के सम्बद्धां के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त के स्वप्त कर कर कर कर के स्वप्त के सम्बद्धां के स्वप्त के स्वप वर्तमान में उपभाकाओं क व्यक्तर प पिक्तन करके प्रदूषण में कमी त्याई जा सकती है। वर्तमान में तहरी जिस तहरों में उपक्ष होने वाले अत्यिक कच्चे के निस्तारण की समस्या से जूल रहे हैं। दोस कच्चर,



हन से शहरे का ब्राउंड नीचे चला गया है।

#### कट्स संस्थान द्वारा हितधारक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

कट्स संस्थान द्वारा सतत उपनोग की जीवन शैली एवं संस्कृति विकसित करने हेतु परियोजना के तहत हितधारक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन होटल महाराजा, भीलवाड़ा में किया गया। कार्यक्रम में गौरव चतुर्वेदी, कार्यक्रम सहयोगी, कटस संस्थान ने अपने उदबोध ान में बताया कि सतत उपभोग एवं उत्पादन के विषय में भारत में और विशेष रूप से राजस्थान में बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। वर्तमान में उपभोक्ताओं के उपभोग करने के तरीकों में बहुत बढ़ावा आया है, जिसका पर्यावरण पर बरा प्रभाव पड रहा है साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कटस विगत कई वर्षों से सतत उपनोग के क्षेत्र में कई अध्ययन और परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। राजस्थान राज्य में भी सतत उपभोग की संस्कृति को विकसित करने हेतु एक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी कटस इंटरनेशनल ने बताया कि राजस्थान ऐतिहासिक रूप से पर्यावरण संरक्षण के लिए जाना जाता है। इसी प्रकार वर्तमान में उपनोक्ताओं के व्यवहार

में परिवर्तन करके प्रदूषण में कमी लाई जा सकती है। वर्तमान में शहरी निकाय ब्रहरों में जन्मन होने वाले अत्यधिक कचरे के निस्तारण की समस्या से जड़ा रहे हैं। ठोस कचरा, प्लास्टिक,



इलेक्टॉनिक वेस्ट आदि शहरी निकायों के लिए समस्या बन गए हैं। खेती के उत्पादन को बढ़ाने के लिए हानिकारक रासायनिक खादों का उपयोग बढ़ रहा है। अनावश्यक भूजल के दोहन से श्वहरो का ग्राउंड वाटर बहुत नीचे चला गया है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सहायक अभियंता रवि चंदेल ने बताया की बोर्ड द्वारा पर्यावरण प्रदेषण को लेकर कई जगह कार्यवाहियां की है व जुर्माने भी लगाए है, व लगातार प्लास्टिक कचरे का वर्गीकरण कर बेस्ट आउटपुट निकालने के प्रयास भी किए जा रहे है, साथ उन्होंने बताया कि बीलवाड़ा में भी राजस्थान राज्य प्रदूषण

नियंत्रण मंडल द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से पूजा मौर्य, सहायक अभियंता ने स्वच्छ पेयजल की उचित आपर्ति के बारे में विस्तार से बताया साथ ही बताया

कि राजस्थान में पीने के पानी की कमी है और बारिश के पानी का उपयोग करने के तरीके बताए, साथ ही शिकायत करने के लिए 181 हेल्पलाइन की जानकारी दी. नगर परिषद भीलवाडा के सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह ने नगर निकाय द्वारा स्वच्छता एवं ठोस कचरा

प्रबंधन को लेकर किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया कटस मानव विकास केंद्र के केंद्र समन्वयक गौहर महमूद एवं मदन गिरी गोरवामी, वरिष्ठ कार्यकर्म अधि ाकारी ने कट्स द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में जानकारी दी, कार्यक्रम में चुरिया मुरिया संस्थान, नेहरू युवा केंद्र, विश्वाश फाउंडेशन, अपना संस्थान, विकास बारा संस्थान उपभोक्ता अधिकार समिति विद्या ज्योति फाऊंडेशन, गरिमा फाउंडेशन, सोहेल शिक्षा समिति, बाल व महिला चेतना समिति, श्रीराम निरामया हेल्थ केयर, उपनोक्ता कल्याण समिति, बायएफ संस्थान, श्री रचना विकास संस्थान, आशा किरण केंद्र अध्यापिकाओं ने भाग लिया।